पाठ्यक्रम
(रामचरित मानस वैज्ञानिक मूल्य बोध एवं सामाजिकता)
2014–2015

प्रश्न पत्र प्रथम : (75) रामचरित मानस और भौतिक विज्ञान
(भौतिकी प्रौद्योगिकी, रामचरित मानस एवं सामाजिकता) कुल अंक 75+25 = 100

इकाई – प्रथम : परमाणु संरचना, उपपरमाणुविक संरचनाएँ, परमाणुविक शक्ति, रामचरित मानस में अणु एवं परमाणु संकल्पना। समाज शास्त्र का मानव शास्त्र एवं भौतिक शास्त्र में सम्बन्ध और रामचरित मानस।

इकाई – द्वितीय : परमाणु मॉडल, रदरफोर्ड की परमाणु संकल्पना, स्टैन्डर्ड फिजिकल माडल, सर्न प्रयोग, मानस में ब्रह्म निरूपण। बह्म निरूपण एवं सामाजिक विज्ञान में सम्बन्ध।

इकाई – तृतीय : अणु एवं परमाणु संकल्पना। अणुकक्षक सिद्धान्त (MOT), अणु एवं ब्रह्म, ब्रह्म कण, ब्रह्म निरूपण, रामचरित मानस में ब्रह्म, अणु एवं कण की संकल्पना, जीवित सत्तावाद।

इकाई – चतुर्थ : ऊष्मा कार्य एवं आधार, ऊष्मा ताप एवं शक्ति और ऊष्मा (सूर्य ऊर्जा) रामचरित मानस में सूर्य ऊर्जा, राडार तकनीकि एवं प्रसारण तंत्र। सामाजीकरण एवं प्रसार तंत्र का उपयोग। रामचरित मानस में सामाजिकता।

इकाई – पंचम : प्रकाश, सूर्य प्रकाश, किरण एंवं किरणों का प्रभाव, मानस में प्रकीर्णन, विकिरण, अपवर्तनांक, गति कार्य एवं ऊर्जा। रामचरितमानस में विमान उड्डयन एवं युद्ध प्रहारक उपकरण।

प्रोजेक्ट कार्य : (कुल अंक 25) रामचरित मानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में भौतिक विज्ञान संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम

(रामचरितमानस वैज्ञानिक मूल्य बोध एवं सामाजिकता)

प्रश्न पत्र + द्वितीय + 75 (कुल अंक)

रामचरितमानस वैज्ञानिक मूल्य बोध एवं सामाजिकता

(रसायन प्रौद्यौगिकी, सामाजिकता एवं रामचरितमानस) कुल अंक 75+25=100

इकाई – प्रथम : ब्रह्म एवं कार्बन, मानव संरचना में कार्बन का प्रभाव। ब्रह्मा विष्णु महेश की संकल्पना में कार्बन। कार्बन की रासायनिक क्रियायें सामाजिक प्ररिप्रेक्ष्य में मानव श्रृखंला एवं कार्बन श्रृखंला।

इकाई – द्वितीय : भौतिक एवं रासायनिक अभिक्रियाय, रासायनिक परिवर्तन, रासायनिक क्रियाओं से सृजन एवं विकास। रामचरितमानस में वर्णित जल, हवा एवं अग्नि की क्रियाओं का रासायनिक विश्लेषण एवं समाज में उपादेयता।

इकाई – तृतीय : पंचतत्व, निराकार, साकार पंचतत्व एवं रासायनिक संकल्पना। पंचतत्व एवं मानव जीवन की संरचना एवं सामाजिकता।

इकाई – चतुर्थ : रसायनों द्वारा खाद्य संरक्षण मानव उपयोगी तेल और नमक का रासायनिक विश्लेषण एवं उपादेयता। रामचरितमानस में प्रयुक्त प्रसंगों में तेल, शक्कर, नमक का रासायनिक विश्लेषण रामेश्वरम सेतु में प्रयुक्त रसायन।

इकाई – पंचम : समाज उपयोगी जीवन रक्षक औषधीय एवं औषधीय पौधे, अर्थ, परिभाषा प्रकार एवं अनुप्रयोग। मानस में वर्णित प्रमुख औषधियाँ, मानस में प्रयुक्त अग्निरोधक रसायन अर्थ परिभाषा एवं प्रकार।

प्रोजेक्ट कार्य : रामचरितमानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में रसायन विज्ञान संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

(कुल अंक 25)

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम

2014–2015

प्रश्न पत्र तृतीय : (75) रामचरितमानस और जीवविज्ञान

इकाई – प्रथम : अन्तः ब्रह्माण्ड (शारीरिकी), बाह्य मण्डल, आंतरिक संरचना और कार्यिकी, अंतःस्त्रावी ग्रंथियाँ। रामचरित मानस में प्रयुक्त जीव संरचना, समाज में जीव विज्ञान एवं समाज विज्ञान की उपयोगिता।

इकाई – द्वितीय : पौधे और जीव–जन्तु, वर्गीकरण, पौधे और जीव जन्तुओं का सामाजिक उपयोग। रामचरित मानस में प्रयुक्त प्रमुख पौधे एवं जीव जन्तु सामान्य परिचय। कार्बन जीवन एवं जौविकी का केन्द्र। (कार्बनिक विकासवाद)

इकाई – तृतीय : अनुवांशिकी, कृत्रिम गर्भाधान, वर्णशंकर। रामचरितमानस में प्रयुक्त गर्भाधान प्रसंग का वैज्ञानिक विश्लेषण एवं सामाजिक संकल्पना।

इकाई – चतुर्थ : जरा नियंत्रण, आयु नियंत्रण संकल्पना। रामचरितमानस में वर्णित ऋषियों की आयु परम्परा विश्लेषण एवं समाजोपयोगी कार्य। स्वस्थ जीवन के उपाय।

इकाई – पंचम : औषधीय विज्ञान, अर्थ, परिभाषा, प्रकार, जीवनरक्षक औषधियाँ, संजीवनी बूटी का उपयोग, कपि भालु, लक्ष्मण, अहिल्या उपचार का वर्णन एवं समाज में उपयोग।

प्रोजेक्ट कार्य : रामचरितमानस के किसी एक खण्ड में उल्लेखित प्रसंगों में वनस्पति शास्त्र, जन्तु शास्त्र एवं सामाजिकता संदर्भों का विवरण प्रस्तुति।

Scanned with CamScanner

पाठ्यक्रम

(रामचरित मानस वैज्ञानिक मूल्य बोध एवं सामाजिकता)

प्रश्न पत्र चतुर्थ कुल अंक (75)

(75+25=100)

मानस में पर्यावरण विज्ञान एवं सामाजिकता

(पर्यावरण प्रौद्योगिकी सामाजिकता एवं रामचरितमानस)

इकाई – प्रथम : पर्यावरण, अर्थ, परिभाषा, व्याख्या एवं महत्व। पर्यावरणीय प्रतिकूलतायें। पर्यावरण जागरुकता, उद्देश्य आवश्यकता। रामचरितमानस में पर्यावरण की संकल्पना और सामाजिक जीवन।

इकाई – द्वितीय : मानस में जैव विविधता, अर्थ परिभाषा एवं अनुप्रयोग जैवविविधता, सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय महत्व।

इकाई – तृतीय : मानस में जैविक सूचक, अर्थ अवधारणा एवं महत्व जैविकीय सूचक के रुप में पादप, पौधे एवं जन्तु सूचक एवं उनका संरक्षण, जल, मृदा, वन एवं जैवविविधता।

इकाई – चतुर्थ : पर्यावरणीय प्रभाव और रामचरितमानस पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक।

इकाई – पंचम : मानस में पर्यावरण सुरक्षा, जल प्रबंधन, जल संरक्षण, जल प्रबंधन का अर्थ, प्रकार एवं महत्व, मानस में जल प्रबंधन की संकल्पना मानस में जल प्रबंधन और सामाजिक जीवन। मानस में जल प्रदूषण और सामाजिक जीवन।

प्रोजेक्ट कार्य : (कुल अंक 25)

Scanned with CamScanner